an>

Title: Need to give respect and facilities to person imprisoned during emergency at par with freedom fighters.

**श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) :** सभापति महोदय, पूरे देश में सन् 1975 में आपातकाल लगा दिया गया था। उस दौरान देश भर में लोकतंत्र सेनानी. जो आपात काल का विरोध कर रहे थे, उन पर बर्बर अत्याचार किया गया था। उन पर झूठी धाराएं लगाकर उन्हें जेलों में बंद कर दिया गया था। लोकतंत्र सेनानियों को ही नहीं बल्कि उनके पूरे परिवार तथा रिश्तेदारों को भी उत्पीड़ित किया गया था। अधिकतर लोग दो वर्ष के करीब जेलों में रहे थे, जिन्हें अपने परिवारों से भी मिलने नहीं दिया जाता था। इन पर स्वतंत्रता आंदोलन के समय जो अंग्रेजों ने अत्याचार किये थे, उनसे भी ज्यादा अत्याचार किये गये थे। इन्हीं लोगों के त्याग, तपस्या की बदौलत आज हमें दूसरी आजादी मिली है और लोकतंत्र जिंदा है।

अस्तु मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन्हें भी स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की भांति सम्मान एवं सुविधाएं दी जाएं एवं एक सहयोगी के साथ प्रथम श्रेणी के पास के साथ रेलवे में यात्रा हेतु व्यवस्था करने हेतु निर्देश देने की कृपा करें।

HON. CHAIRPERSON:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Bhairon Prasad Mishra.